TECHE
UDINE

# MANOSCRITTI

# FONDO PRINCIPALE

## Manoscritto n. P_MSS_4386

*Nel Fondo Principale sono confluiti la maggior parte dei lasciti manoscritti pervenuti alla Biblioteca Civica «Vincenzo Joppi» nel corso del tempo: si tratta perciò di un fondo composito nel quale è possibile trovare manoscritti di argomento liturgico, scientifico, giuridico, botanico e altro.*

Collocazione:

**Biblioteca Civica "Vincenzo Joppi", Udine**
*https://www.techeudine.it/fondo-principale*
*https://www.sbhu.it/*

॥१७॥ दूहा ॥ विमल कमल कल मलपरिमल मिलंत पेरंत भमंत लारावं। भमेय कमंडलपणिपणमामि सरसइं देविं ॥२॥ सिरिछंदोरप मिकूपकुडिलउलपरसिरि। सिरिछंदरामभद्दोकुछइंदिय अभोवय
णं ॥३॥ मति रिआमपविस्सूरी सरसमयपउमजुयलसम्बं। जीसरसम सुपसन्नाजकसाल वाप ॥४॥ छंद तरुकल्लोलं वमज्जलमंतिसुरियमंड्हिय। सायर चरियं सावरसरिस नरसमि
सामद ॥५॥ अन्नवरियरश्नाहा। सुद्दउ स कथिकिल मंडिमारंभ। अमव उ रिवमउरारे तुरति सइ वयासरण ॥६॥ जंछिदिनी लमणि निम्मियाणा सुरमंदिरा य किरणालीं। वस्थियं पिव पिरकी तारविरह
उरियानचरंति ॥ दूहा बंध ॥ तदिंरज्जु कयरराजा नमंड। राणीजयमाला तयजकेउ। घयरियविमविमहरयंविलअवयरियपथायणसमरमाउ ॥७॥ उप्परियमयमवंगतरगद्द दहिवय
रियसायर लासयवत्तगहि ॥ अलवेसरुद्दो लमक सुवाणु। मादिमंड लिउमाउ अवरसाणु ॥ पद्धडिया ॥ गलीसिमउप निरंजिसायसा। नियुवाणुनुपविलदिसा अका। उवियलोयपविरसि॥
साम्मासछिवाञतिरुनिवसहसायस ॥ गाहा ॥ अयपीउन्न अमिवणादी वरनयण। पसउवाञलया। सुविरुक पासकुवा। ससिमसगछिणीतसा ॥ मालती रूपक ॥ नवनेहनिहाणु
रुमूलियं हसियं। नियतिरकक ढयकविभ्रकायं मम्मं। सिंगाररसालतरं अदरं। इस सदस माणिणि जुव्वणयं वयणं ॥ रूपक ॥ ससिवयणी सुइथा रूवादसाउ नसज्ञसह। विउलनिवीव
संविवधोरघुडयाणुपनासडु। संघलिसायननर नग्गवरपन्न छद्दकअनवकसिहिंकालियउ अदरमेअरियम हकउ। अणपीयपयोवर अव्वहलनकालसुरहरसरसनलरिय। दिउरमणु
कसनउ हमसा अवसंतसंयसवुरियं ॥१२॥ पावसकाल पउसउ नदिहिं छंतरिहिं। अवरदि सिसतपडअस्सयअनसिदिकं सारं। दजउररंतयि निवरीयरसरसभ। दउरसि रिअरडंनघजोको॥
मा हल करेहा ॥१३॥ उ हवि तरियमिसि महइं संगमिक सन्ना जा इयवदल वद्दका हवणसहउहसरु ॥ मप्पी हसमरिकाणिणियमणि सतरह। सुघरिकामपउ दपंपियमालउकरम
॥१४॥ न उ किरणुसद्द समकसो दरूगपंधरलि। काउ विमिदूविणिसायसासिरिकम लिआ ॥ अर्प ॥ विय घरसमरंसयफरमनि सिद्दिलरिं। घणगजोतमयुजरमाणिणिउ कडरि ॥१५॥ हरसिअव
मालइ रसुवरसालइ मालियकसायससुडय आवि छंदइ दिट्ठा लिसउ। किंवकसुम भम्भि उकिंच हणि कवलीय आरविय किरि सजारग इणिवि जुणिम ॥ रूपमाला ॥ पामसकालम
मणा। जिसमरिसीपि मायवोजलहरी। एसोभयम जरियं। सविसेसरि छिमावइश ॥ रूपसुरियरिजसुहइहेका। लूयायणजणाइ लोयणागंदी। भुणभचंदिंसमसिचो संतवसमागउ उरियं ॥१७
उजणअयाती। जया सीयलाहह परसणिवल्ली। मडीमंडले नयएयाताक्क। फलंवहरयपादिणं इमि मिंदा। मदासुलयाचमियवाजइरेवो ॥१८॥ सुहामासयापीणयंसेजणाथीपउतिम
लेनिझरं नीरगामी महापो यमाणक्कइहिं अगको। मल्लतिअरेपावए लहइहली ॥१९॥ सरे घग्घ सघिंदिणी घुम्मयंता तिगामीपउछलिरदीसीतिमसा। मिलंपि मरीचवरी दितिताली रलीयम
णीरा नडीरमरवाली ॥२०॥ करउ वीदकेतीमणी अभियभारा। दुरुमाणियामाण संभारसा रा ॥ ससीनिम्मलो साजविस्सविदिसो। इमोएलिसो सरियकालो निवसो ॥ रूपमाला ॥ दो विगंतरिप म
कोश्यालणा। चंद वयणरंगि सा। नअसायरजलहीणं सुसिक्क पओसरं कियि ॥ पद्धडियागा ॥ सरिदिलरधुवदसअरसह। दिअंतअरकेतकिरिलस्थिरिलरिछिय सरिजञ्जपामेविसीपयविजल
कीवणकिमहण्यवनकिजाय। रिपिवि अंतवुलंतयदलगाइयपानपुआसु। माकपियकविलसवसविय सपहाउ दमीउ ॥२१॥ पवासुवालइ वसुइवा सदिंमरु अकमदिमहमदइ मदिजस
सिभभिजुकिद्दस। जपुवेगिय विसदरिदिंवमणकोज्जिवभियवुणिज्जाइ। अहल्लासत्वसरावरिदिंवदिदियइसपायाकरस्य नगत्री गसलद्ध तणुतलसिद्दरपसालु ॥२२॥ विरककलायण
कडुयकसायसतवोलरंगिय अहर। अरसुरगिवरचीपमाहिराणी। कलयंहिजिमकलयलपूरसुरयगमणि। इवंततणमणि। गयगमकिदिकेअप्पणि हिरंगिसिरमणिरमेतिसीलमइसाव्वस
सुलिणसमहमेतगमितिं ॥ रूपमाला ॥ तपंसुरसदियोद्दक्कलियैधूलिधुमपघिउलं। हइमनलनुधारि सिसमसिरदुधंआगयपुसवण ॥२३॥ दिवसोकइविलउडंमउपमा। बाविमउसमिसिरुणा
हवसंकिर्वरियेमा सत्रा सामय सीस ॥२४॥ विरीदिकमसका। मामा पिहाण वसि सिरसंत मा। हिमपउसा सिघुणपकंपमाणजुम मणि ॥२५॥ दहयसमरसे एणलमादरणसमरमे 1

220

3